उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् के हाईस्कूल की पाठ्यपुस्तक में गृहविज्ञान से सम्बन्धित विषयवस्तु का विश्लेषणात्मक अध्ययन

स्वाती चौधरी
शोधकत्री,
शिक्षाशास्त्र विभाग का.सु. साकेत
पी.जी. कॉलेज, अयोध्या

डॉ. रचना सिन्हा
प्रोफ़ेसर,
शिक्षाशास्त्र विभाग, का.सु. साकेत
पी.जी. कॉलेज, अयोध्या

सारांश

प्रस्तुत शोध पत्र में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् के हाईस्कूल की पाठ्यपुस्तक में गृहविज्ञान से सम्बन्धित विषयवस्तु का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया हैं गृहविज्ञान की पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु पर काफी समय से कोई शोधकार्य नहीं किये गये इसलिए गृहविज्ञान पाठ्यपुस्तक के अंशों में सुधार करने हेतु तथा सुझाव देने हेतु शोध कार्य की आवश्यकता हैं जिससे पाठ्यपुस्तक के मुद्रण में संशोधन कर सकेंगे और अध्यापक छात्रों को परिमार्जित ज्ञान प्रदान कर सकेंगी

कूट शब्द : *U. P. बोर्ड, हाईस्कूल , गृहविज्ञान, पाठ्यपुस्तक, विषयवस्तु विश्लेषण*

१. प्रस्तावना

गृहविज्ञान को अनेक नामों से जाना जाता है जैसें - अमेरिका में गृहविज्ञान को गृह अर्थशास्त्र, भारत और इग्लैंड में गृहविज्ञान के नाम से जाना जाता है विज्ञान और कला दोनों का समन्वय हम सभी के जीवन में काम आता हैं वास्तव में यही वो विषय हैं जो युवा छात्रों को उनके जीवन के दो महत्वपूर्ण लक्ष्य के लिए तैयार करता हैं ।

१. घर और परिवार की देखभाल ।
२. अपने जीवन के करियर तथा पेशे के लिए तैयारी करना ।
३. गृहविज्ञान गृहविज्ञान के विविध क्षेत्र की पढाई करने के बाद छात्र अपने संसाधनों का अच्छे से प्रयोग करते है ।

२. सम्बंधित साहित्य का सर्वेक्षण

१- अग्रवाल अर्चना (२००४) ने प्राथमिक स्तर के पाठ्यपुस्तक में पर्यावरण शिक्षण से सम्बंधित विषयवस्तु का अध्ययन किया एस शोध का मुख्य उद्देश्य मनुष्य तथा शेष जगत के बीच अन्तःसम्बन्धो की व्याख्या करना था इस शोध से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ की पर्यावरण शिक्षा को महत्वपूर्ण स्थान दिया जाना चाहिए ।

२- इनकीरी(२०१०) ने एस्टोनिया एवं फिनिश क व्यापक स्कूलों में राष्ट्रीय कोर पाठ्यपुस्तक में तथा संगीत पाठ्यपुस्तक के पाठ्यक्रम का तुलनात्मक अध्ययन किया जिसका उद्देश्य विषयवस्तु विश्लेषण विधि का उपयोग कर पाठ्यक्रम संगठन ,मूल्याकन समानता एवं विविधता आदि का अध्ययन करना

था इस शोध अध्ययन से निष्कर्ष प्राप्त हुआ की दोनों राष्ट्रों के संगीत पाठ्यक्रम में समानता हैं शिक्षण प्रणाली में स्वतंत्रता हैं स्थानीय संगीत में जुड़ाव प्रदर्शित होता हैं।

३- केंथ (१९७९) ने हाई स्कूल जीवविज्ञान की पाठ्यपुस्तक में पर्यावरण शिक्षा का विश्लेष्णात्मक अध्ययन किया जिसमे शोध अध्ययन का उद्देश्य पाठ्यपुस्तक में पर्यावरण शिक्षा के विकास का पता लगाना था इस अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ की सभी देधोम के विकास के लिए पर्यावरण शिक्षा अति आवश्यक होती जा रही हैं तथा पर्यावरण शिक्षा के लिए विशेष नियम बनाये जाने चाहिए।

४- भाटिया (१९८७) ने सरकार द्वारा निर्धरित कक्षा ८-१० तक की सिन्धी की पाठ्यपुस्तकों का मूल्याकन किया जिसका उद्देश्य पाठ्यपुस्तकों के उद्देश्य तथा आंतरिक गुणों का पता लगाना था निष्कर्ष में प्राप्त हुआ की पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु में सिन्धी भाषा के रचनात्मक उद्देश्य एवं साहित्य लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक थी।

३. शोध का उद्देश्य

१. हाई स्कूल की गृहविज्ञान पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु का अन्य विषयों के साथ सहसंबंध का अध्ययन।
२. हाई स्कूल गृहविज्ञान पुस्तक के क्षेत्र या विषयविस्तार की वर्तमान प्रासंगिकता का अध्ययन।
३. गृहविज्ञान पुस्तक की भाषा ,उदाहरण , रेखाचित्र ,अभ्यास कार्य तथा पुस्तक की ड्राफ्टिंग का अध्ययन।

४. शोध की प्रकृति

प्रस्तुत शोध में वर्णात्मक एवं विश्लेष्णात्मक विधि का प्रयोग किया गया है इस अध्ययन में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् की कक्षा १० की पाठ्यपुस्तक में गृहविज्ञान से सम्बंधित अंतर्वस्तु का अध्ययययन किया जायेगा।

५. न्यादर्श

प्रस्तुत शोध में न्यादर्श के रूप में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् की हाई स्कूल की गृहविज्ञान विषय की पाठ्यपुस्तक का चयन किया गया।

६. अध्ययन का सीमांकन

१- अध्ययन हेतु उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् हाईस्कूल की पाठ्यपुस्तक को ही लिया गया है।
२- प्रस्तुत अध्ययन में केवल उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् हाई स्कूल की हिंदी माध्यम की गृहविज्ञान पुस्तक को ही शामिल किया गया हैं।

७. प्रदत्त विश्लेषण एवं व्याख्या

उद्देश्य संख्या १

कक्षा १ की गृहविज्ञान पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु के साथ सहसंबंध का अध्ययन गृहविज्ञान की विषयवस्तु का इतिहास से सहसंबंध

"प्रत्येक व्यक्ति अपने घर को ---------- देशी शैली में स्नानगृह में की जाती है " पृष्ठसंख्या (७१ -७८) इतिहास विषय के साथ सहसंबंध प्रदर्शित करते है कड़ाई - सिलाई वस्त्रो एवं फैशन का इतिहास परिवार के रहन सहन का इतिहास ।

गृहविज्ञान पुस्तक की विषयवस्तु का विज्ञान के साथ सहसंबंध

"मानव शरीर में ---------- मुहं में रखनी चाहिए (पृष्ठसंख्या२८३ -२८७) इस तरह हम देखते हैं की वज्ञान मनुष्य के सुखी जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

गृहविज्ञान पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु का गणित के साथ सहसंबंध - गृहविज्ञान पुस्तक में दिया गया खंड क में अध्याय पांच गृह गणित सरल गणना की विषयवस्तु " मैट्रिक पद्धति ---------- --१ लीटर ।" (पृष्ठसंख्या ८४-८५) सहसंबंध को प्रदर्शित करते हैं।

उद्देश्य संख्या -२

गृहविज्ञान पाठ्यपुस्तक में विषयवस्तु का वर्तमान प्रासंगिकता का अध्ययन ।

१- गृहविज्ञान की विषयवस्तु का ज्ञान न केवल वर्तमान समय में आपके घर व व्यक्तिगत जीवन को खुशहाल बनाने में सहायक होगा बल्कि छात्र व अध्यापिकाओं के व्यावसायिक जीवन में भी सहायक होगा

२- गृहविज्ञान विषयवस्तु का ज्ञान छात्रों को सुन्दर तरीके से विभिन्न प्रकार के आहार तैयार करने तथा परोसने का ज्ञान प्रदान करता हैं।

उद्देश्य ३-

पाठ्यपुस्तक की भाषा , रेखाचित्र तथा पाठ्यपुस्तक में निहित ड्राफ्टिंग का अध्ययन

पाठ्यपुस्तक की भाषा सरल एवं स्पष्ट हैं था स्टूडेंट के बौद्धिक स्तर के अनुसार हैं पाठ्यपुस्तक में प्रयोग की गयी भाषा हिंदी के साथ इंग्लिश के शब्दों का भी प्रचुर मात्रा में कुछ अध्यायों में प्रयोग किया गया हैं पाठ्यपुस्तक में दिए गये रेखाचित्रो का प्रयोग छात्रों के बौद्धिक स्तर को ध्यान में रख कर किया गया हैं तथा अन्य अध्यायों को उदाहरण से समझाने का प्रयास उत्तम किया गया हैं गृहविज्ञान पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु में प्रस्तुतीकरण शैली उचित हैं जिससे पुस्तक खोलते ही ध्यान सबसे पहले वही जाता हैं।

८. निष्कर्ष

गृहविज्ञान पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु के शोध अध्ययन से यह निष्कर्ष में पाया गया की गृहविज्ञान का क्षेत्र इतना अधिक विस्तृत है की सम्पूर्ण जीवन इसके क्षेत्र के अंतर्गत आ जाता हैं वर्तमान समय में गृहविज्ञान की पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु छात्रो के लिए योग्य व प्रासंगिक हैं गृहविज्ञान पुस्तक में जो भी विषयवस्तु ज्ञान से सम्बंधित शामिल किये गये है छात्रो को जानकारी देने में पूरी तरह समर्थ हैं गृहविज्ञान का ज्ञान सभी क्षेत्र में पूर्णरूप से सहसम्बधित है।

९. सुझाव

१- दो या दो से अधिक बोर्ड के गृहविज्ञान पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन किया जा सकता हैं।

२- विभिन्न देशों के पाठ्यक्रमों पर आधारित पाठ्यपुस्तक का विश्लेषण किया जा सकता हैं।

१०. शैक्षिक निहितार्थ

१- **छात्रों के लिए –** U.P. बोर्ड के आलावा भी किसी बोर्ड की गृहविज्ञान पाठ्यपुस्तक को प्रयोग में ला सकते हैं।

२- **अध्यापिकाओं के लिए -** शिक्षक छात्रों को सही गृहविज्ञान पाठ्यपुस्तक के प्रयोग की सलाह दे सकते हैं।

३- **पाठ्यपुस्तक निर्माताओं के लिए -** विषयवस्तु की ड्राफ्टिंग तथा चित्रांकन के लिए विशेषज्ञों की सलाह लेने के लिए प्रेरित होंगे।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

१. अग्रवाल, अर्चना (२००४). प्राथमिक स्तर के बच्चों में पर्यावरण सजगता एवं शिक्षण का अध्ययन. पूर्वांचल जनरल

२. इनकिरी. (n.d.).(२०१०). Restrived from http://www.shodhganga.com

३. केंथ (१९७९). हाई स्कूल जीवविज्ञान की पाठ्यपुस्तक में पर्यावरण शिक्षा का विश्लेष्णात्मक अध्ययन .भारतीय शोध पत्रिका ,४०-४७

४. भाटिया (१९८७). ने सरकार द्वारा निर्धरित कक्षा ८-१० तक की सिन्धी की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेष्णात्मक अध्ययन. जनरल करिकुलम स्टडीज,२७ .